विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मुजफ्फरपुर, मंगलवार
5 जनवरी 2016

लीची अनुसंधान केंद्र देगा युवाओं को प्रशिक्षण

◆ 15 जनवरी से इंटर उत्तीर्ण छात्रों की शुरू होगी पढ़ाई

मुशहरी (मुजफ्फरपुर), संस : लीची क्षेत्रों का विस्तार देश के अन्य राज्यों में हुआ है। हमारे वैज्ञानिकों के प्रयास का ही परिणाम है कि देश के अन्य राज्यों के किसान भी लीची की खेती कर रहे हैं। उक्त बातें राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्र निदेशक डॉ. विशाल नाथ ने कही। उन्होंने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों का यह प्रयास रहता है कि लीची किसान अपने बागों की देखरेख व प्रबंधन सही समय से करें। बिहार के अलावा लीची का उत्पादन अब पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, नार्थ इस्ट, छत्तीसगढ़ में हो रहा है। संस्थान में पहले 15 हजार पौधे तैयार हो रहे थे, अब 25 हजार पौधे तैयार हो रहे हैं। संस्थान को आइएसओ की मान्यता प्राप्त हो गई है। राजभाषा में प्रथम पुरस्कार यहां के वैज्ञानिक को मिला है। इग्नू के सहयोग से इंटर पास छात्रों को छह माह का सर्टिफिकेट आर्गेनिक फार्मिंग एवं स्नातक पास छात्र डिप्लोमा ऑन फार्मिंग कोर्स संस्थान में कर सकेंगे। यह सत्र 15 जनवरी से शुरू होगा। मौके पर वरीय वैज्ञानिक डॉ. शेषधर पांडेय, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. सुशील पूर्वे, डॉ. अमरेंद्र कुमार, डॉ.आर के पटेल थे।